OUR SCHOOL PRAYER

प्रभो! देहि बिद्यां सुबुद्धि प्रदेहि
बलं देहिसुकर्माणि कुतुर्म
प्रभो! देशभक्तिं सुविधां च देहि
सदा सद गुणानेव देव प्रदेहि

प्रभु हमें ऐसा वर देना, **ज्ञानकोष** में वृद्धि बने।
कर्तव्य बोध का भाव जगे, व चरित्र हमारा दिव्य बने।।
प्रभु हमे ऐसा वर देना.....सभ्य बने

प्रभु हमें ऐसा वर देना, जगहित में समर्पित हो जाऊं।
जगत हमारा भव्य बने, ज्ञानज्योति को फैलाऊं।।
प्रभु हमे ऐसा वर देना.....सभ्य बने

प्रभो! ज्ञान गंगातरंगे नवीनैः
समस्तं विभेद हर त्वं जनानाम

प्रभु हमें ऐसा वर देना, **यत् भावो - तत्भवति** बने।
ज्ञानकोष सतत् भरा रहे, श्रमशील मेरा स्वभाव बने।।
प्रभु हमे ऐसा वर देना.....सभ्य बने

प्रभो ! त्वं पितासि, तव मेवासि माता
वयं बालकः बालिकांस्त्वं नमामः
त्वमेवासि विश्वस्यकर्ता विधाता
त्वमेवासि बन्धुः त्वमेवासि भर्ता

प्रभु हमें ऐसा वर देना, मन सतत् हमारा नम्य बने ।
नैतिकता कणकण थापित हो, हृदय हमारा नम्र बने ।।

प्रभु हमें ऐसा वर देना, **ज्ञानकोष** हमारा भरा रहे ।
संवल मे रा सत्य बने, प्राण-दीप सर्वथा जला करे ।।

प्रभु ! हमें ऐसा वर देना
प्रभु ! हमें ऐसा वर देना
प्रभु ! हमें ऐसा वर देना.....

रचनाकार : **श्री अशोक झा ,**
साहित्य अकादमी विजेता

स्वर : **कु० निहारिका झा**